बिजनेस स्कूल के शिक्षाविदों ने 14 विषयों पर पेश किए अकादमिक पेपर

आज 'मेनलाइन' हो गया है ऑनलाइन, कोविड ने तेज की प्रोद्यौगिकी अपनाने की प्रक्रिया

रायपुर। आईआईएम रायपुर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का मंगलवार को दूसरा दिन रहा। सम्मेलन के दूसरे दिन देशभर के विभिन्न बिजनेस स्कूल के शिक्षाविदों ने 14 विषयों पर अकादमिक पेपर प्रस्तुत किया। पैनल चर्चा में वक्ताओं ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। पैनल चर्चा 'कर्मचारी की संलग्नता को बढ़ाने के लिए नए डिजिटल इकोसिस्टम का निर्माण' विषय पर हुई। सम्मेलन के दूसरे दिन भी देश-विदेश के एक्सपर्ट्स ने हिस्सा लिया और विभिन्न बिंदुओं पर जानकारियां साझा की।

स्वामित्व की भावना हो

कार्यक्रम में कॉरपोरेट ह्यूमन रिसोर्स, लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सी. जयकुमार ने कर्मचारी जुड़ाव की अवधारणा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करना चाहिए, उनमें स्वामित्व की भावना होनी चाहिए और कंपनी व उसके नेतृत्व में विश्वास होना चाहिए। इन चीजों से कर्मचारियों की संलग्नता बनाए रखने में मदद मिलती है।

स्टार्टअप पर भी कोरोना का प्रभाव

उद्यमी व लेखक के. वैथीश्वरन ने अपने स्टार्ट-अप 'अगैन ड्रिंक्स' का एक उदाहरण देते हुए स्टार्टअप पर कोविड-19 के प्रभावों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, कर्मचारियों को व्यक्तिगत और टीम के लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए नियोक्ताओं के निरंतर पर्यवेक्षण और साथ की आवश्यकता होती है। वहीं आगमेंटेड ट्रांसफॉर्मेशन के निदेशक अविनाश अरोरा कहा, अप्रत्याशित चुनौतियों के कारण उत्पन्न होने वाले दबाव को कम करने के लिए उद्यम संचालन ही एकमात्र तरीका है। संगठनों को इन परिवर्तनों को समायोजित करने के लिए खुद को संशोधित करने की आवश्यकता है।

सबसे अधिक महत्व क्षमता का

सम्मेलन में निदेशकों के लिए विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। निदेशक पैनल चर्चा का विषय भारत में प्रबंधन शिक्षा रहा। इसमें एसआईबीएम हैदराबाद के निदेशक प्रो. रवि कुमार जैन कहा कि कोविड-19 के संकट ने कुछ महीनों में प्रौद्योगिकी अपनाने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। आईआईएम नागपुर के निदेशक प्रो. भीमराय मेत्री ने कहा, ऑनलाइन मेनलाइन बन गया है। उन्होंने कोरोना के इस परीक्षा के समय में क्षमता के महत्व पर जोर दिया। आईआईएम रायपुर निदेशक प्रो. भारत भास्कर ने शिक्षा के मॉडल के पुनर्गठन पर अपने विचार साझा किया।

Haribhoomi, 30th Dec. 2020, p. 14 (Raipur Haribhoomi).jpeg